हिल्सा मछली

➢ हालिया संदर्भ :

- प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार ने इस महीने की शुरुआत में घरेलू मांग की पूर्ति के लिए भारत को निर्यात किए जाने वाले 'हिल्सा मछली' पर रोक लगा दी थी, लेकिन सरकार ने पूर्व फैसले को पलटते हुए दुर्गा पूजा को ध्यान में रखते हुए 3000 टन हिल्सा मछली के निर्यात की मंजूरी दी।

➢ विशिष्ट तथ्य :

- यह मछली पौष्टिकता से भरपूर होती है तथा पश्चिम बंगाल में बहुत ज्यादा लोकप्रिय है।
- यह मछली पश्चिम बंगाल की 'राज्य मछली' भी है।
- बंगाल क्षेत्र में यह मछली विशेषकर हुगली–भागीरथी नदी प्रणाली और बंगाल की खाड़ी में पाई जाती है।
- यह 'एनाटोम्स' प्रकार की मछली है अर्थात यह अंडा देने के लिए समुद्र से नदियों की ओर पलायन करती है।

- इस प्रजाति की नर–मादा झुंड प्रजनन के लिए प्रतिवर्ष दो बार (फरवरी–मार्च एवं सितंबर–अक्टूबर)नदियों की ओर प्रवासन करती है।
- बांग्लादेश हिल्सा मछली का दुनिया में सबसे बड़ा उत्पादक है, लेकिन स्थानीय मांग इतनी ज्यादा है कि यह देश इस मछली का निर्यात न के बराबर करता है।
- सामान्यतः दुर्गा पूजा के अवसर पर मछली के निर्यात प्रतिबंधों में कुछ छूट दी जाती है क्योंकि यह बंगालियों का प्रमुख पसंदीदा भोजन है।
- यह मछली बांग्लादेश में राष्ट्रीय मछली के रूप में चिन्हित है तथा इसके साथ देशवासियों का भावनात्मक संबंध है।
- वैसे तो सालों भर मछुआरे इस मछली को पकड़ते हैं लेकिन मानसून के दौरान इसकी संख्या कई गुना बढ़ जाती है।
- बांग्लादेश में छोटी हिल्सा मछली बेचने पर कड़े कानूनी प्रतिबंध है।

➢ भारत में आयात :

- हाल के वर्षों में बांग्लादेश से हिल्सा मछली के आयात में गिरावट आई है, हालांकि इस दौरान भारत ने म्यांमार से तुलनात्मक रूप से ज्यादा आयात किया।
- 2023–24 एवं 2022-23 में भारत का बांग्लादेश एवं म्यांमार से आयात क्रमशः 574 टन एवं 590 टन तथा 1310 टन एवं 150.23 टन रहा।

Note – हिल्सा मछली का वैज्ञानिक नाम टेनुलोसा इलिशा (Tenualosa Ilisha)है।

Note– एनाड्रोमस के विपरीत केटाड्रोमस (Catadromous) ऐसी मछलियां होती है, जो प्रजनन के लिए समुद्र से नदी की ओर प्रवासन करती है, जैसे –Eel

➢ भारत–बांग्लादेश हालिया संबंध :

- बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा, जबकि भारत बांग्लादेश का एशिया में दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।

TM
Result Mitra

- वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 14.01 बिलियन डॉलर का था, जिसमें बांग्लादेश ने भारत को 1.37 बिलियन डॉलर मूल्य का निर्यात किया।
- दोनों देशों की एजेंसियां सीमा पर नकली नोट, मानव तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी आदि से निपटने में सहयोगात्मक भूमिका निभाती है।
- तीस्ता नदी जल–विवाद दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण रिश्ते का कारण बनता है, जिसे वर्तमान सरकार (मोहम्मद युनुस के नेतृत्व)में सौहार्दपूर्ण तरीके से हल करने की इच्छा जताई है।

TM
Result Mitra